# किस प्रकार निःस्वार्थ भाव से दूसरे लोगों की सेवा करना प्रारंभ करें

**बदी शम्स**

इस संसार का प्रत्येक सम्बंधित व्यक्ति अपने समय को संतुलित करने के संघर्ष में, अपने आध्यात्मिक विकास, पारिवारिक जीवन, कार्य और समुदाय के प्रतिबद्धता को पूरा करने के प्रयासों में लगा हुआ है।

हमको अधिकाधिक कार्यों को पूरा करने में अधिक समर्थ बनाने वाले तकनीकी विकास का कोई भी धन्यवाद नहीं, जिसने हमें मानव से मानवीय कार्यों में रूपांतरित कर दिया है।

भौतिकतावाद का निरंकुश प्रसार हमारे आध्यात्मिक विकास को भी डरा रहा है और हमारी ऊर्जा को भी निचोड़ दे रहा है। इन सभी उन्नत गतिविधियों को व्यस्त रहने के बाद, हमारे पास भला कैसे एक और चीज – एक ओर समाजिक कार्य, एक और प्रतिबद्धता – के लिए समय हो सकता है ?

हालाँकि दूसरों के लिए कोई सेवा देना प्रारंभ में हमारे पहले से ही व्यस्त जीवन में एक और कार्य को डालने जैसा लग सकता है, लेकिन वास्तव में यह आवश्यक नहीं होता कि इसे एक बड़ी योजना के रूप में लिया जाये जिससे दूसरों की सहायता हो हमें सेवा के एक कार्य का उपहार दे सकती है।

सेवा की अवधारणा हममें से अधिक के लिए कोई नई बात नहीं है क्योंकि हमारे पास इस विषय पर अनेक धार्मिक स्त्रोतों, दार्शनिकों–कवियों, महान विचारकों और लोकोपकारियों द्वारा प्राप्त शिक्षाओं का खजाना है। हमको पता है कि किस प्रकार ईसा मसीह, मुहम्मद, महात्मा गाँधी और अब्दुल बहा की भाँति पवित्र विभूतियाँ अपने पूरे जीवन भर सेवा का उदाहरण बनीं।

*यहाँ तक एक 'ईश्वर के पुत्र' भी सेवा लेने के लिए नहीं बल्कि अनेकों की सेवा करने और उनके लिए अपना जीवन की भेंट चढ़ाने के लिए आये।* –मार्क 10.45

*"और एक–दूसरे का भला करना मत भूलो।"* –कुरान 2.238

*"कि वास्तव में वही मनुष्य है जो आज के समय में समस्त मानवजाति की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित कर देता है।"* – बहाउल्लाह, बहाई लेखों से पृ. 250

*"स्वयं को प्राप्त करने का सबसे अच्छा तरीका है दूसरों की सेवा में स्वयं को खो देना।"*–महात्मा गांधी

*"मानवता की सेवा, ईश्वर की सेवा है।"* – अब्दुल बहा, विश्व शांति का पथ

भला किस प्रकार हमारा विश्व एक हो सकता है यदि इसके नागरिक एक–दूसरे की सहायता करने की कोशिश नहीं करेंगे ? किस अन्य तरीके से इस संसार के कष्ट कम होंगे। आपके और हमारे तरह के विश्व के आम लोग अंततः एक अंतर करेंगे और इस संसार को एक अधिक पूर्ण एक बेहतर और अधिक शांतिपूर्ण स्थान बनायेंगे – यदि हम अपने साथ के लोगों की सहायता करने के लिए और कदम बढ़ाते हैं तो बहाई शिक्षायें सभी लोगों की सेवा के क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

*एक बहाई जो दूसरों की सहायता करता है वह उस मोमबत्ती की भाँति है जो उन सब पर अपना प्रकाश बिखरने के लिए स्वयं को जलाता है जो उसके चारों ओर परिक्रमा करते हैं। मोमबत्ती की सर्वोच्च प्राप्य स्थिति है जलकर अंधेरे कमरे को प्रकाशित करना और हमारी प्रगति और पूर्णता का सर्वोच्च शिखर है सेवा में संपुष्टि प्राप्त करना ...*

–अब्दुल बहा, स्टार ऑफ द वेस्ट वाल्यूम 8 पृ. 61

अतः आइये हममें से प्रत्येक के जीवन में सेवा की अवधारणा का फिर से अवलोकन करें। नीचे दी गई छोटी सी सूची की सहायता से भी अनेकानेक सेवाओं की संभावनाओं को देखें। इसके द्वारा आप कुछ–कुछ सेवाओं में शामिल हो सकते हैं जो आपकी प्रतिबद्धता को पूरा करेंगी और आपको विस्तृत समुदाय से जोड़ती हैं। यह आपके लिए मिलने–जुलने और अपने कार्यों के द्वारा सेवा की अवधारणा से भलीभाँति उनका परिचय कराने के उत्तम अवसरों का भी निर्माण कर सकती है। सेवा के अवसरों की इस सूची से आप अपनी प्रतिभा और रूचि से मेल खाती किसी सेवा कार्य को भी पा सकते हैंः

- सर्वोत्तम संभावित तरीके से अपना कार्य को पूरा करना एक महान सेवा ही नहीं – बहाई शिक्षाओं में इसको आराधना समझा जाता है।
- दूसरों की दयापूर्ण शब्द, दयापूर्ण कार्य के द्वारा उत्तम भाव से सेवा देना। बिना किसी प्राप्य की चाह के दयापूर्ण कार्य करना जैसे : अपनी लाइन में किसी का बिल अदा कर देना, भीड़ की पंक्ति में किसी को अपनी जगह दे देना, किसी अजनबी को फूलों का एक गुलदस्ता दे देना, पड़ोसी के लॉन की घास काट देना आदि।
- वरिष्ठ नागरिकों से मिलते–जुलते रहना, वृद्धाश्रम, अस्पतालों में जाना।
- महिला केन्द्रों, इलाज केन्द्रों, गृहविहीनों के लिए आश्रय स्थलों और संस्थाओं में जाना।
- नृत्य, संगीत, कला–खेलकूद, साक्षरता, कम्प्यूटर या अन्य विषयों की कक्षाओं में शिक्षण, प्रशिक्षण करना।
- लोगों को नियत जगह पर ले जाना या अपने पड़ोसी के लिए खरीदारी या सफाई करना।
- जरूरतमंदों का हालचाल लेना – उन्हें साथ देना।

- मकान, औजारों या मोटर कार की मरम्मत का प्रशिक्षण देना।
- शरणार्थियों या नवागंतुकों की सहायता करना, स्वागत गाड़ी के साथ स्वेच्छा से सेवा देना।
- मेडिकल या कानूनी विषयों में परामर्श सेवा देना।
- नाटकों के लिए सेट, मेकअप और परिधान तैयार करना
- और सामान्यरूप से अपने चिंतन और प्रार्थनाओं में उनको याद करना जो अपने जीवन के कठिन दौर से गुजर रहे हैं।

जब आप मानवता की सेवा करने की खोज प्रारंभ करते हैं, एहतियात के कुछ शब्दों पर ध्यान दें; अपनी सेवा देने के दौरान कृपया संस्थाओं, व्यक्तियों और परिवारों की सीमाओं का ध्यान रखना न भूलें। इस बात पर अपना ध्यान केन्द्रित रखें कि आप अपनी सेवा क्यों दे रहे हैं : दूसरों की प्रेरणा पर नहीं । कुछ लोग अपनी पहचान बनाने और अपनी ऊब मिटाने के लिए संस्थाओं को अपनी स्वयंसेवा देने के लिए आगे आते हैं और वास्तव में निःस्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा करने का सार नहीं समझ पाते। इस प्रकार की किसी भी स्वयंसेवा से सावधान रहें जिससे यह आपको कभी निरूत्साहित न होना पड़े और आप पर उसका नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

यदि आप दमकते चेहरे और दया और प्रेम भाव से पूर्ण पवित्र नीयत के साथ किसी की सेवा करने के लिए आगे आते हैं तब आप पायेंगे कि जो भी उपहार आप लोगों को देगें वे हजार गुना होकर वापस आयेंगे।